UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

M.A. Music(Tabla) 1st Year Assignment
एम0ए0 संगीत(तबला) प्रथम वर्ष सत्रीय कार्य

Last Date of Submission : 15 May 2013 **जमा करने की अन्तिम तिथि : 15 मई 2013**

Course Title : Taalo Ka Addhyan **Course Code: M.A.M.T.-02**
कोर्स शीर्षक : तालों का अध्ययन **कोर्स कोड : एम0ए0एम0टी0–02**
Year : 2012-13 **Maximum Marks : 40**
सत्र : 2012–13 **अधिकतम अंक : 40**

❖ **खण्ड़ क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।**

खण्ड़ – क

1. प्राचीन तालिपि पद्धति को समझाते हुए इसके तथा वर्तमान ताल पद्धति के बीच तुलनात्मक अध्ययन भी प्रस्तुत कीजिए।
2. दक्षिण भारतीय संगीत की सप्तसूलादि तालों की विशेषताओं को बताते हुए इनके द्वारा 35 तालों के निर्माण की प्रक्रिया को भी समझाइये।
3. कर्नाटक ताल पद्धति के सिद्धान्तों को समझाइये तथा पाठ्यक्रम की किन्हीं चार तालों को कर्नाटक ताल पद्धति में कारण स्पष्ट करते हुए लिखिए।
4. उत्तर भारतीय ताल पद्धति का परिचय दीजिए व इसकी तुलना दक्षिण भारतीय ताल पद्धति से कीजिए।
5. देशी ताल पद्धति का वर्णन कीजिए तथा मार्गी ताल पद्धति से इसका तुलनात्मक अध्ययन भी प्रस्तुत कीजिए।
6. पं0 दामोदर कृत 'संगीत दर्पण' ग्रन्थ के सभी अध्यायों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
7. तबला एकल वादन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
8. निम्न में से किन्हीं चार की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
   मुखडा, मोहरा, कायदा, पेशकारा, रेला, रौ, गत व परन

❖ **खण्ड़ ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं।**

खण्ड़ – ख

1. संगीत के प्रसिद्ध ग्रन्थों नाट्यशास्त्र, बृहद्देशी एवं स्वरमेलकलानिधि में संगीत की स्थिति पर चर्चा कीजिए।
2. तबला द्वारा गायन, वादन व नृत्य के साथ संगत पर विस्तृत चर्चा कीजिए।
3. पाठ्यक्रम की किन्हीं दो तालों में 1 उठान/मुखड़ा, 1 पेशकर (3 पल्टों सहित), 2 कायदे (3–3 पल्टों सहित), 1 रेला (3 पल्टों सहित), 1 गत, 1 परन, 1 चक्करदार, 2 टुकड़े(1 सादा व 1 चक्करदार) व 1 तिहाई लिपिबद्ध कीजिए।
4. पाठ्यक्रम की किन्हीं 6 तालों का पूर्ण परिचय देते हुए उनके ठेकों को दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़ व बिआड़ सहित लिपिबद्ध कीजिए।